Chapter- 12

पिता का पत्र पुत्री के नाम

STUDY NOTES

प्रतिपाद्य विषय :

नेहरू जी ने जेल में रहकर अपनी पुत्री इंदिरा के नाम कई पत्र लिखे। वे पत्र 'पिता का पत्र पुत्री के नाम' से प्रसिद्ध हैं। उन्हीं में से एक पत्र यहाँ पर दिया गया है। इस पत्र में नेहरू जी ने अपनी बेटी को जन्मदिन पर शुभकामनाएँ दी। इंदिरा जी को 'जॉन ऑफ़ आर्क' की कहानी अच्छी लगती थी और वह भी उसकी की तरह बनना चाहती थीं। साधारण पुरूष तथा स्त्रियाँ साहसी नहीं होते लेकिन महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए उत्साहित होकर कार्य करते हैं जिससे वे वीर ओर महान बन जाते हैं। इंदिरा जी को साहसी बनने के लिए प्रेरित किया। बापू जी के आंदोलन में सहयोग देने की बात कही। बहादुर बनकर ऐसे काम करो जिसकी सारा समाज सराहना करे। आंदोलन में सक्रिय होकर भाग लो। भारत की सेवा के लिए सदा तैयार रहो।

अभ्यास कार्य

मौखिक-

१. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास –

साहसी शुभकामनाएँ इतिहास निरपेक्ष पारिवारिक

स्वतंत्रता आंदोलन सिपाही उत्साहित तैयार

२. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए –

क) नेहरू जी ने किसे और कहाँ से पत्र लिखा ?

उ - नेहरूजी ने अपनी बेटी इंदिरा को नैनी जेल से पत्र लिखा।

ख) पुत्री के जन्मदिन पर पिता उपहार क्यों नहीं भेज सकें ?

उ - पुत्री के जन्मदिन पर पिता उपहार नहीं भेज सकें क्योंकि वे जेल में थे।

ग) साधारण लोग क्या करते हैं ?

उ - साधारण लोग अपनी पारिवारिक समस्याओं तथा चिंताओं में उलझे रहते हैं।

लिखित

१. सही के सामने (✓) और गलत के सामने (X) का चिह्न लगाइए -

क) इंदिरा कायर बनना चाहती थीं। ( )

ख) 'जॉन ऑफ आर्क' की कहानी इंदिरा को अच्छी लगती थी। ( )

ग) ऐसा कार्य करो जिसकी समाज सराहना करे। ( )

घ) बापू जी स्वतंत्रता आंदोलन नहीं चला रहे थे। ( )

उत्तर – (क) X (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) X

२. रिक्त स्थान पूरा कीजिए –

क) पिता ..... पुत्री ..... पत्र लिखा।

ख) ..... पर तुम्हें उपहार मिले होंगे।

ग) राजा ..... की कहानी याद रखो।

घ) भारत की सेवा के लिए तुम सदा ..... बनो।

उत्तर – (क) ने, को (ख) जन्मदिन (ग) मीदास (घ) सिपाही

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) साधारण आदमी साहसी नहीं होते। वे वीर और महान कब बन जाते हैं?

उ - साधारण आदमी साहसी नहीं होते। वे किसी महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए लोग उत्साहित होकर कार्य करते हैं और वे वीर और महान बन जाते हैं।

ख) बापू जी ने कौन-सा आंदोलन छेड़ा था?

उ - बापू जी ने स्वतंत्रता आंदोलन छेड़ा था।

ग) मीदास राजा की कहानी में क्या हुआ?

उ - लालच के कारण उसने अपनी पुत्री को सोने में बदला हुआ पाया था, इसलिए उसे पछतावा हुआ।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ।

क) 'भारत की सेवा के लिए तुम सदा सिपाही की तरह तैयार रहो' – जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा क्यों कहा?

उ - भारत की सेवा के लिए तुम सदा सिपाही की तरह तैयार रहो – ऐसा जवाहरलाल नेहरू जी ने अपनी पुत्री इंदिरा को पत्र के माध्यम से कहा क्योंकि उस समय भारत के इतिहास निर्माण करने के लिए वापूजी ने स्वतंत्रता आन्दोलन चला रहे थे। उसी आन्दोलन में सहयोग करने के लिए बहादूर और साहसी बनना जरूरी है ऐसे काम करो ताकि समाज तुम्हे सरहना करे। अर्थात् नेहरू जी ने अपनी पुत्री को साहसी बनने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

भाषा ज्ञान

१. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए -

वीर - ..... स्वतंत्रता - .....

सहयोग - ..... स्त्री - .....

सक्रिय - ..... साधारण - .....

उत्तर –

वीर – कायर

सहयोग – असहयोग

सक्रिय – निष्क्रिय

स्वतंत्रता – परतंत्रता

स्त्री – पुरूष

साधारण – असाधारण

२. संकेतों की सहायता से लिंग बदलकर शब्द-सीढ़ी बनाइए –

बाएँ से दाएँ

क) देवी का पुल्लिंग

ख) सास का पुल्लिंग

ऊपर से नीचे

ग) देवरानी का पुल्लिंग

घ) सम्राट का स्त्रीलिंग

ङ) सुत का स्त्रीलिंग

		१
		दे
२	३	
स	ता	

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

उत्तर –

क) देवता

ख) ससुर

ग) देवर

घ) सम्राज्ञी

ङ) सुता

♦♦♦

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow